TEXT OF SPEECH OF LOK SABHA SPEAKER SHRI OM BIRLA AT ACCOUNTANTS GENERAL CONFERENCE TODAY

17.11.2022

लेखा परीक्षा दिवस और लेखा परीक्षक सम्मेलन के समापन समारोह के अवसर पर माननीय अध्यक्ष के उपयोगार्थ प्रारूप भाषण

***श्री गिरीश चंद्र मुर्मु जी, भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक*; यहाँ उपस्थित राज्यों के Accountant General, सीएजी कार्यालय के अधिकारीगण; देवियो और सज्जनो:**

---

1. आज दो दिवसीय Accountant General कांफ्रेंस के समापन समारोह में उपस्थित होकर बहुत खुशी हो रही है। ऑडिट दिवस एवं AG कांफ्रेंस के समापन समारोह पर आप सबको बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

2. एक संवैधानिक संस्था के रूप में आप अपने संवैधानिक दायित्वों का उचित निर्वहन कर रहे हैं। आप सामान्य

ऑडिटर की तरह केवल लेखा परीक्षण नहीं करते हैं, बल्कि वित्तीय शुचिता और पारदर्शिता के साथ शासन प्रशासन में जवाबदेही लाने का भी कार्य करते हैं।

3. दो दिन तक चले इस सम्मेलन में आपने चर्चा की है कि आप अपनी संस्था को कैसे और कुशल, प्रभावी एवं पारदर्शिता पूर्ण बनाएं और कैसे नई डिजिटल तकनीकी का उपयोग करते हुए इसे और प्रभावी तरीके से कार्य करने में सक्षम बनाएं, इसके लिए आपने विचार विमर्श किया है, चर्चा संवाद किया है। मुझे लगता है कि इस चर्चा संवाद से इस संस्था के लिए और बेहतर परिणाम आएंगे।

4. मित्रों, देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था संसद में लोक सभा के अध्यक्ष के नाते मुझे पिछले वर्ष आयोजित हुए लोक लेख समिति कमिटी के शताब्दी वर्ष समारोह में उपस्थित होने का सौभाग्य मिला था। मुझे खुशी है कि संसद की पीएसी के 100 वर्ष पूरे हुए हैं और इन 100 वर्षों में पीएसी में सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट पर व्यापक चर्चा अध्ययन

जनप्रतिनिधियों ने किया। लोक लेखा समिति में जनप्रतिनिधियों ने सकारात्मक चर्चा संवाद के बाद सकारात्मक सुझाव और सिफ़ारिशें प्रस्तुत की।

5. उन्होंने सीएजी की रिपोर्ट के आधार पर शासन प्रशासन में शुचिता और पारदर्शिता लाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संसद की इस समिति की परंपरा रही है कि यहाँ चर्चाएं दलगत स्थिति से ऊपर उठकर हुई है।

6. साथियों, CAG की संस्था देश की सबसे विश्वसनीय संस्थाओं में है और प्रभावी निष्पक्ष और पूरी ईमानदारी से अपना काम करती है। इस संस्था पर कभी भी कोई आक्षेप नहीं लगा।

7. हमारे संविधान में भी CAG के लिए एक व्यापक और सुनिश्चित व्यवस्था है ताकि यह संस्था स्वतंत्र और निष्पक्ष रुप से देश और देश की जनता के हितों में काम करें, राष्ट्र के हित में समर्पित भाव से काम करें।

8. यह संस्था हमेशा से ही दक्षता पूर्ण कार्य करते हुए जो कार्य भी इसे दिया जाता है, उसे पूरी जिम्मेदारी के साथ पूरा करती है और सरकारी निधि का उपयोग उपयुक्त हो, उचित हो, हमेशा इसके लिए प्रयास करती है। आपका यह भी mandate है कि राजकीय संस्थानों एवं संवैधानिक संस्थानों को आवंटित धन का उपयोग भी सही तरीके से हो।

9. मुझे गर्व है कि भारत की CAG विश्व की सबसे बड़ी ऐसी ऑडिट संस्था है, जिसकी स्वतंत्रता, विश्वसनीयता, पारदर्शिता और समयबद्ध रिपोर्ट देने के लिए भारत की इस संस्था का विश्व में एक विशिष्ट स्थान है। कई देश के सीएजी या अकाउंट्स ऑडिट करने वाली संस्थाएं भारत की इस प्रतिष्ठित संस्था से मार्गदर्शन प्राप्त करती हैं। दूसरे देशों के CAG एवं ऑडिट संस्था के प्राधिकारी भारत के सीएजी की कार्यप्रणाली को समझने यहां आते हैं और यहां की बेस्ट प्रैक्टिसेज को अपने देश में आर्थिक शुचिता लाने के लिए उपयोग में लाते हैं। यह हमारी संस्था की विश्वव्यापी प्रतिष्ठा है। और यह आपकी

प्रतिबद्धता और क्षमता के कारण ही संभव हो पाया है। इसके लिए आपको साधुवाद।

10. साथियों, संसदीय लोकतंत्र में शासन में पारदर्शिता हो, जवाबदेही हो, जनता के धन का उपयोग जिन कार्यकर्मों एवं नीतियों के लिए धन आवंटित की गई है, उसमें ठीक तरीके से उपयोग हो, यह सुनिश्चित करने का कार्य आपको दिया गया है। उस आवंटित धन का केवल उपयोग ही नहीं हो, बल्कि उसकी उपयोगिता से होने वाले सामाजिक आर्थिक परिवर्तन का अध्ययन हो, यह भी आपका संवैधानिक mandate है।

11. आपका दायित्व है कि आप समय-समय पर सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के आर्थिक सामाजिक कार्यक्रमों का आकलन करके सरकार को एक सकारात्मक सुझाव और मार्गदर्शन भी दे कि यह कार्यक्रम या नीति उपयुक्त थी या नहीं या जिन उद्देश्यों के लिए उन्हें बनाया गया था , वे उद्देश्य पूरे हो रहे हैं या नहीं। मुझे खुशी है कि संस्था एक

भ्रष्टाचार मुक्त शासन व्यवस्था को लाने में इस संस्था का प्रयास सराहनीय है।

12. मित्रों, हमारे प्रधानमंत्री जी का हमेशा प्रयास रहा है कि शासन-प्रशासन में शुचिता हो, वित्तीय अनुशासन हो, वित्तीय पारदर्शिता भी हो और इसके साथ-साथ भ्रष्टाचार मुक्त शासन व्यवस्था रहे, जवाबदेह शासन प्रशासन व्यवस्था रहे ताकि हम सरकारी धन का सदुपयोग लोगों के सामाजिक आर्थिक जीवन में कल्याण और बेहतरी के लिए कर सकें। इसीलिए, उन्होंने अधिकतम योजनाओं और कार्यक्रमों को डिजिटल माध्यम से यानी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से लागू किया है। हमारा लक्ष्य है कि नीतियों और कार्यक्रमों में ह्यूमन इंटरफेरेंस कम हो और तकनीक का उपयोग ज्यादा हो ताकि ज्यादा वित्तीय पारदर्शिता बनी रहे।

13. इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए आपने जिस तरीके की स्किल अपग्रेड करने, नई तकनीकी को अपनाने, डिजिटल तकनीक का उपयोग करने की दिशा में आपने कार्य

योजना बनाई है, आपने तकनीक का अधिकतम उपयोग किया है, बेस्ट प्रैक्टिसेज को अपनाया है इससे वित्तीय अनुशासन और वित्तीय पारदर्शिता लाने में सहायता मिली है।

14. मुझे आशा है कि दो दिन के इस सम्मेलन में व्यापक विचार-विमर्श हुआ होगा। आप नई तकनीक, नए इन्नोवेशंस का उपयोग करके संस्था को कैसे और प्रभावी बना सकें, इस पर चर्चा हुई होगी। जितना ही यह संस्था प्रभावी ढंग से काम करेगी, उतना ही देश में सरकारी धन का सदुपयोग हो सकेगा, चाहे इंफ्रास्ट्रक्चर के अंदर हो, चाहे कल्याणकारी योजनाओं में हो या वेलफेयर में हो या आवंटित बजट के उपयोगिता निर्धारित करने में हो। इसके लिए एक सुनिश्चित व्यवस्था हो सकती है।

15. आपको देखना होगा कि जिस मद के लिए धन आवंटित किया गया है, उस मद में ही उस धन का उपयोग हो। इसके साथ ही आवंटित बजट का उपयोग वर्ष के अंतिम समय में एक साथ ना होकर साल भर नियमित रूप से होता रहे।

हमने कई बार देखा है कि अंतिम समय में आवंटित बजट धनराशि का उपयोग ज्यादा होता है। यह देखने की जिम्मेदारी आपकी है।

16. बदलते आर्थिक परिदृश्य में आपका अधिकार क्षेत्र एवं दायित्व और व्यापक हुए हैं। सरकारी धन चाहे जिस उद्देश्य के लिए भी आवंटित हुआ हो, आप देखते हैं कि जब बजट आवंटित हुआ है तो उसका उपयोग समय पर तथा निश्चित मद में ही हो। आप यह भी देखते हैं कि जिस मद के लिए बजट आवंटित हुआ है, उसके अंदर क्या सामाजिक आर्थिक परिवर्तन हुए हैं, इंफ्रास्ट्रक्चर में क्या परिवर्तन हुए हैं, क्या हम पारदर्शिता लागू कर पाए हैं जिस मद में बजट आवंटन हुआ है, उसकी प्रक्रिया के विषय में, टेंडर प्रक्रिया को लेकर अपनाए गए प्रक्रियाओं के विषय में कि क्या उन्होंने इसे ठीक तरीके से अपनाया है या नहीं अपनाया है, यह सब देखना और उसपर टिप्पणी करना आपका दायित्व है।

17. टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता आई है या नहीं आई है, यह भी देखना है। क्योंकि सरकार ने जेम पोर्टल जैसे कई सारे संस्थाओं को बेहतर विकल्प दिया है ताकि खरीद में भी पारदर्शिता आए। इन सबका अध्ययन भी आपको ही करना है।

18. आपको न केवल लेखा की परीक्षा करनी है बल्कि आपको व्यवस्था में परिवर्तन भी करना है। ऑडिट पारा शासन और व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए होता है, मात्र खामियाँ निकालने के लिए नहीं होता। इसलिए आपकी भी जिम्मेदारी है कि उस व्यवस्था में परिवर्तन के लिए आप जितना बेहतरीन प्रभावी सुझाव देंगे, उतनी ही शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही आएगी।

19. इसी स्थिति में हम पारदर्शी, जवाबदेह और ईमानदार शासन व्यवस्था के लक्ष्य को, संकल्प को हम पूरा कर पाएंगे। आप यह भी देखेंगे कि इन योजनाओं से आम आदमी के जीवन में क्या फर्क पड़ा है?

20. मुझे पूरा विश्वास है कि देश के लिए आपका योगदान हमेश जारी रहेगा और आप सदैव देश के विकास को नई गति देते रहेंगे।

21. **मैं एक बार फिर आप सभी को आपके उत्कृष्ट कार्यों के लिए बधाई देता हूं और आपके सभी भावी प्रयासों की सफलता की कामना करता हूं। धन्यवाद।**